पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने उर्स का उद्घाटन किया
सूफी संतों ने अनेकता में एकता का संदेश दिया - राज्यपाल

लखनऊः 11 अप्रैल, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने कहा है कि भाषा संवाद का सबसे प्रभावी माध्यम है। भाषा एक दूसरे को जोड़ती है। भाषा के प्रयोग से दिलों को जोड़ना चाहिए। अपनी भाषा के प्रति सबको प्यार होता है। हमारा देश सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है जहाँ अनेक भाषाएं, रहन-सहन, खान-पान एवं संस्कृति के लोग एक साथ रहते हैं। भारत को मजबूत बनाना है तो आपस में नफरत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग तलवार जैसी भाषा इस्तेमाल करके समाज में नफरत पैदा करते हैं।

राज्यपाल आज सुल्तानपुर के खुर्शीद बाग में महान सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की स्मृति में आयोजित 22वें उर्स के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उर्स का आयोजन हिन्दू-मुस्लिम कौमी एकता समिति द्वारा किया गया था। राज्यपाल ने उर्स में हाजी वारिस अली शाह के नाम के ध्वज की परचम कुशाई (ध्वजारोहण) तथा उनके चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा देश एवं प्रदेश की तरक्की के लिए दुआएं भी की। इस अवसर पर आयोजक श्री मोबीन अहमद वारसी, पूर्व मंत्री, श्री राम कुमार वर्मा सहित भारी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

श्री नाईक ने उर्स में प्रस्तुत कव्वाली, ''ईश्वर अल्लाह एक है हमारा तुम्हारा, मंदिर हो या मस्जिद हो या हो गुरूद्वारा, सूरज चंदा एक है हमारा तुम्हारा, खून का रंग तो एक है हमारा तुम्हारा'' को अपने सम्बोधन में उद्धृत करते हुए कहा कि वास्तव में सूफी संतों ने अनेकता में एकता का संदेश दिया जो हमारी मिली जुली राष्ट्रीय संस्कृति की बुनियाद है। सूफी संतों ने राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाने के लिए शानदार काम किया है। उन्होंने कहा कि यही संकल्प इस आयोजन से लेकर जाना इसकी सफलता होगी।

राज्यपाल ने कहा कि उर्दू भाषा को नई तकनीक से जोड़ने की जरूरत है। अन्य भारतीय भाषाओं के साथ-साथ उर्दू को भी प्रोत्साहन मिलना चाहिए। कुछ दिन पूर्व उर्दू भाषा विकास परिषद, भारत सरकार के उपाध्यक्ष, श्री मुज्जफर हुसैन लखनऊ आये थे। श्री हुसैन ने दुःखी मन से बताया कि उर्दू के महान शायर मीर अनीस और मीर तकी मीर के मजार की हालत अच्छी नहीं है। मैंने मुख्यमंत्री से बात करके दोनों की भेंट करायी और मुख्यमंत्री ने तुरन्त दोनों मजारों के जीर्णोद्वार की बात पर सहमति प्रकट की। शीघ्र ही लखनऊ में एक उर्दू संग्रहालय बनाये जाने की बात पर भी सहमति बनी है। उत्तर प्रदेश बड़ा प्रदेश है। हिन्दी के बाद उर्दू सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। उन्होंने कहा कि मुझे उर्दू नहीं आती मगर उर्दू सुनने में बहुत अच्छी लगती है।

कार्यक्रम में राज्यपाल को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री राम कुमार वर्मा सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखें।

INDIA